सांध्य दैनिक 4PM

दीवार! तुम्हारी सफलता इसके दूसरी तरफ है। इसे कूद नहीं सकते या इसके किनारे से घूम कर नहीं जा सकते। तुम्हे पता है क्या करना है।

-ड्वेन जॉनसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 78 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024

जीत के करीब पहुंचकर हारी... 7 | कम वोटिंग सत्ता पक्ष के लिए... 3 | बीजेपी की गलत नीतियों से लोग... 2

मोदी के बयान पर पूरे देश में घमासान

पूरे विपक्ष के निशाने पर आए प्रधानमंत्री

कांग्रेस ने हेट स्पिच का लगाया आरोप

- » इंडिया गठबंधन ने कहा- पहले चरण की हार के डर से घबराई बीजेपी
- » पीएम इज्जत लायक न हो तो उठानी होगी आवाज : कपिल सिब्बल
- » बेरोजगारी और महंगाई से सिर्फ मोदी खुश, गरीब मर रहे : खरगे
- » कांग्रेस ने बनाया था खाद्य सुरक्षा कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने राजस्थान के बांसवाड़ा से कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। मोदी के इस बयान के बाद एक बार फिर देश की राजनीति गरमा गई है। दरअसल, मोदी ने पूर्व मनमोहन सिंह के बयान का भी हवाला देते हुए कि ये अर्बन नक्सल वाली सोच है, मेरी माताओं- बहनों ये आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे। इस हद तक चले जाएंगे। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे हेट स्पीच की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि आज मोदी जी के बौखलाहट भरे भाषण से दिखा कि प्रथम चरण के नतीजों में इंडिया जीत रहा है।

पहले चरण का मतदान खत्म हो चुका है। दूसरे की चरण का मतदान 26 अप्रैल को होने हैं। सारी राजनीति पार्टियों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिए है। बीजेपी, कांग्रेस से लेकर हर छोटी-बड़ी पार्टी रैलियों व रोड शो से जनता के बीच में अपनी योजना बताकर वोट मांग रही है। सबसे ज्यादा विपक्ष के निशाने पर बीजेपी व उनके पीएम मोदी हैं। कांग्रेस के सभी बड़े नेता उन पर हमलावर हैं। जहां अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि बेरोजगारी और महंगाई से सिर्फ मोदी खुश, गरीब मर रहे हैं। वहीं प्रियंका गांधी ने उनपर दिखावे की राजनीति करने का आरोप लगाया है। वहीं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि मुझे पीएम जब इज्जत के लायक न रहें तो बुद्धिजीवी लोगों को आवाज उठानी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी चुप हैं, लेकिन मैं यह भी समझता हूं कि यह बातें संघ ने पीएम मोदी को सिखाई नहीं होगी. पीएम के परिवार ने भी उनको ऐसी संस्कृति नहीं दी होगी?

मोदी कहते हैं- भाइयों और बहनों, मैं 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा। अरे, इसी कानून के तहत हम पहले से राशन देते थे। आपने इसमें 5 किलो जोड़ दिया और कह रहे हैं कि मैं मुफ्त दे रहा। हमारी सरकार में जो कानून बना इसे मोदी भी नहीं बदल सकते। खरगे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये उनके अल्फाज हैं। आपने खबरों में पढ़ा और सुना होगा। अगर, यह सच है तो आपके सांसद, मोहन भागवत और एमएलए क्यों कहते हैं कि हमे टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप लोग वोट देंगे।

एक तरफ मोदी राम मंदिर का उद्घाटन करे, दूसरी तरफ फैला रहे नफरत : सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार (22 अप्रैल) को घुसपैठियों को संपत्ति बांटने वाले बयान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। कांग्रेस के पूर्व नेता सिब्बल ने कहा कि एक तरफ आप राम मंदिर का उद्घाटन करते हैं, तो दूसरी तरफ नफरत फैलाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि पीएम मोदी की सबका साथ-सबका विकास करने की बात कहां गई? सिब्बल ने कहा कि पीएम के परिवार ने भी उनको ऐसी संस्कृति नहीं दी होगी। पीएम के संपत्ति बांटने वाले बयान पर कपिल सिब्बल ने कहा, कल की बात, जब प्रधानमंत्री ने ऐसा भाषण दिया, जिसे सुनकर ऐसा लगता है कि पहले चरण में हुए मतदान के नतीजे उनके पक्ष में नहीं आ रहे हैं। उस भाषण के बाद मैं समझता हूं कि इस देश के करोड़ों लोग निराश होंगे, वे इसलिए निराश होंगे, क्योंकि 1950 के बाद शायद ही किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान दिया होगा, जो दर्शाता है कि यहां रहने वाले अल्पसंख्यक घुसपैठिए हैं। नफरत के घोड़े का दूल्हा बनकर आप कभी हिंदुस्तान को बरकरार नहीं रख सकते हैं। उन्होंने सवाल किया कि यह किस किस्म की राजनीति और संस्कृति है? एक तरफ आप राम मंदिर का उद्घाटन करते हैं और दूसरी तरफ नफरत फैलाते हैं? आपका सबका साथ-सबका विकास कहां गया?

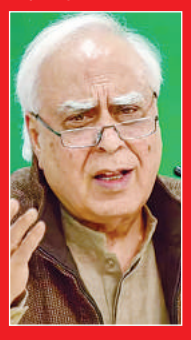

संविधान बदलने की साजिश रच रही भाजपा : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह देश के संविधान को बदलने की साजिश रच रही है। गांधी ने कांकेर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बालोद जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''भाजपा के कई नेता जहां-जहां भाषण दे रहे हैं वहां कह रहे हैं कि हमको चार सौ सीट दे दो हम संविधान को बदल डालेंगे। यह क्यों कह रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक तरफ यह छोटे नेता और उनके कई मंत्री जगह-जगह जाकर कह रहे हैं कि हम संविधान बदल देंगे दूसरी तरफ मोदी जी और उनके बड़े नेता कहते हैं कि हम संविधान को नहीं बदलेंगे। आपको क्या लगता है कि भाजपा के नेता बगैर मोदी जी की इजाजत इतनी बड़ी बात कह सकते हैं। यह पूरी साजिश है। जिस संविधान ने आपको अधिकार दिया, आपको वोट करने का अधिकार दिया, आरक्षण दिया, जिसने आदिवासियों की संस्कृति को बचाकर रखा, दलितों को आगे बढ़ाने का काम किया, भाजपा इस संविधान को बदल कर आपके अधिकार को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर ''दिखावे की राजनीति'' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग मोदी जी को ताकतवर बताते हैं लेकिन उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल कभी भी लोगों की समस्याएं कम करने में नहीं किया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''कल मोदी जी धूमधाम से आएंगे बड़ी-बड़ी बातें की जाएंगी, आपके सामने बड़े-बड़े वादे करेंगे जैसे पहले किए थे।

सिर्फ झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खरगे

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की तबीयत खराब होने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मध्य प्रदेश के दौरे पर आए। वे सतना जिले में कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में सभा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर करारा हमला बोला और पीएम मोदी पर झूठ बोलेने का आरोप लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 19 अप्रैल को देश की 102 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं कि इसमें इंडिया अलायंस को भारी बहुमत मिलेगा। मैं कई जगह घूमा, जहां भी हम गए, वहां लोगों का प्रमुख मुद्दा महंगाई और बेरोजगारी है। महंगाई ने गरीबों की कमर तोड़ दी है और बेरोजगारी से युवा परेशान है। कोई खुश नहीं है। अगर, कोई खुश है तो सिर्फ एक ही आदमी (मोदी) खुश है। सभा में खरगे ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी ने नारा दिया- सबका साथ और सबका विकास, बाकी लोगों का सत्यानाश। लोग पूछ रहे- कहां है तुम्हारा विकास? राजीव गांधी की पंचवर्षीय योजना में हुए काम आज भी नजर आते हैं। देश में साइंस और टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देकर रॉकेट बनाया। इंदिरा गांधी ने इस रॉकेट को उड़ाया। आप (भाजपा) सिर्फ कांग्रेस और गांधी फैमिली को गाली देते हैं। प्रजातंत्र और लोकशाही को मोदी खत्म कर रहे हैं और कहते ये हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो संविधान नहीं बदलेगा।

बीजेपी की गलत नीतियों से लोग दुखी : मायावती

» बोलीं- फ्री राशन देना भाजपा की मेहरबानी नहीं आपके टैक्स के पैसे से आती है खाद्य सामग्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। अमरोहा में बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजपी समेत अन्य विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा ने गरीब, पिछड़े, दलितों, मुस्लिम के साथ धोखा किया। चौबीस मिनट के संबोधन में दलित, पिछड़ा, मुस्लिम कार्ड खेल गई। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस को आधे हाथ लेते हुए तीनों ही वर्ग को जोड़ने की कोशिश की। इसके साथ ही किसानों को भी साधा। उन तक योजनाएं नहीं पहुंच रही हैं। आरक्षण का कोटा भी अधूरा रखा गया है। भाजपा सरकार में भी दलितों और मुस्लिम का शोषण बंद नहीं हुआ है। गरीब लोगों की हालत ठीक नहीं है।

गलत नीतियों के चलते मध्यम वर्ग के लोग भी दुखी और परेशान हैं। देश और प्रदेश में महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ा है। कहा कि चार बार उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकार के दौरान बहुत काम हुए। अगर फिर सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो विरोधी पार्टियों की तरह हवा-हवाई काम नहीं किया जाएगा। पिछले कई सालों से भाजपा सरकार गरीब लोगों का वोट लेने के लिए फ्री में राशन देती है, लेकिन जब चुनाव होता है तो उनसे इसका कर्जा उतारने को कहते हैं।कहा कि गरीबों की राशन देना भाजपा की मेहरबानी नहीं है, आप जो टैक्स देते हैं, उससे यह खाद्य सामग्री आती है। सरकार नहीं देती। उन्होंने कहा जब-जब बसपा के नेतृत्व में यूपी में सरकार बनी है। किसान वर्गों के लोगों का विशेष ध्यान रखा गया है। अमरोहा ढोलक कारीगरी के साथ-साथ किसानी के मामले में काफी आगे है। यहां के किसानों और कारोबारियों का भाजपा ने ध्यान नहीं रखा। वर्तमान सरकार की जातिवादी सोच है। इसने गरीबों, मुस्लिम और आदिवासी लोगों पर ध्यान नहीं दिया। देश में लगातार महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इससे जनता परेशान है। अपनी पार्टी को गुमराह नहीं होना है। यह पार्टियां चुनाव खत्म होने के बाद वादों को अमल में नहीं लाती हैं। हमारी पार्टी चुनाव घोषणा पत्र जारी नहीं करती है। हमारी पार्टी कार्य करने में ज्यादा विश्वास करती है। चार बार सत्ता में रही हमारी पार्टी ने बिना घोषणा पत्र जारी किए बिना ही बहुत कुछ कार्य करके दिखाए है। केंद्र में हमारी सरकार बनती है तो अब तक रही सरकारों जैसा कार्य नहीं करेगी। कुछ हटकर या जैसे यूपी में कार्य किए ऐसा काम करेगी।

वर्तमान सरकार की सोच जातिवादी

हिमाचल में चारों लोकसभा सीटों पर उतारे उम्मीदवार

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। राज्य बसपा प्रमुख नारायण आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा और कांग्रेस दोनों के अनुसूचित जाति विरोधी रुख% को उजागर करेगी और गरीबों और अनुसूचित जाति और जनजातियों को न्याय दिलाने के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। राज्य बसपा प्रमुख नारायण आजाद ने कहा कि शिमला से अनिल कुमार (रिजर्व) सीट से चुनाव लड़ेंगे, हेम राज हमीरपुर सीट से पार्टी के उम्मीदवार होंगे, जबकि प्रकाश चंद भारद्वाज और रेखा रानी क्रमशः मंडी और कांगड़ा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। हाल ही में ऊना में पार्टी की एक बैठक हुई थी जहां उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई और मंजूरी के लिए पार्टी हाईकमान को भेजा गया।

भाजपा और अन्य पार्टियों ने की क्षत्रिय की उपेक्षा

मायावती ने कहा पश्चिमी यूपी में वैसे तो सभी समाज के लोग रहते हैं। लेकिन अपर समाज में से क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी तादाद में रहते हैं। लेकिन दुख की बात ये है कि भाजपा और अन्य विरोधी पार्टियां जो अपने आप को क्षत्रियों की हिमायती समझती हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा और अन्य पार्टियों ने क्षत्रियों की काफी उपेक्षा की है। लेकिन, बसपा ने अन्य के साथ-साथ क्षत्रिय समाज को भी पूरा-पूरा आदर-सम्मान दिया है। पश्चिमी यूपी में सहारनपुर और मेरठ मंडल से कई टिकट क्षत्रिय समाज को दिए हैं। भाजपा ने उनको टिकट न देकर उपेक्षा की है। जिसे लेकर क्षत्रिय समाज के लोगों में काफी नाराजगी है।

बरेली के जोनल कोआर्डिनेटर और जिलाध्यक्ष निष्कासित

बरेली और आंवला में बसपा प्रत्याशियों के नामांकन में हुए विवाद के बाद जोनल कोआर्डिनेटर ब्रह्मस्वरूप सागर को निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही, बरेली के प्रत्याशी छोटेलाल गंगवार का पर्चा खारिज होने की गाज पार्टी के जिलाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह पर भी गिरी है और उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया है। बता दें कि आंवला के प्रत्याशी आबिद अली की दावेदारी को सही ठहराने के लिए बसपा सुप्रीमो को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोग से बात करनी पड़ी थी। उनके दखल के बाद आबिद को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी मानते हुए नामांकन मंजूर किया गया था।

दिल्ली के सीएम को मारना चाहती है बीजेपी : सुनीता केजरीवाल

» बोलीं- देश को एक नंबर पर देखना चाहतें हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने महारैली का आयोजन किया। इस रैली को उलगुलान न्याय महारैली का नाम दिया गया है। इस दौरान मंच में बड़े-बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे। इस रैली के दौरान सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सत्ता की कोई इच्छा नहीं है। वह सिर्फ देश की सेवा करना चाहते हैं। वह देश को नंबर 1 बनाना चाहते हैं। कई लोग कहते हैं कि ये मुश्किल है। जेल के ताले टूटेंगे, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन छूटेंगे...। उन्होंने कहा कि राजनीति बहुत गंदी चीज है, उनके खाने में कैमरा लगाया जा रहा है।

वे शुगर के मरीज हैं। वे पिछले 12 वर्षों से प्रतिदिन 50 यूनिट इंसुलिन ले रहे हैं, लेकिन उन्हें जेल में इंसुलिन नहीं दी जा रही है। वे दिल्ली के सीएम को मारना चाहते हैं। वे बहुत बहादुर हैं। वह शेर हैं। उन्हें जेल में भी भारत माता की चिंता है।

पीएम मोदी चुनाव हार चुके हैं : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने रांची में बीजेपी पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने एकजुटता दिखाई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व में यह रैली रांची के प्रभात तारा मैदान में हुई। उलगुलान न्याय महारैली में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब से इन्होंने आपके (झारखंड) मुख्यमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल भेजा है वे चुनाव हार चुके हैं। मैदान में जब पहलवान हारने लगता है तब कई तरह के हथकंडे अपनाता है।

भाजपा यह न भूले कि शेर को गिरफ्तार किया है, लेकिन उनकी दहाड़ को गिरफ्तार नहीं कर पाए हैं। गठबंधन के नेताओं का दावा है कि 28 पार्टियों ने रैली का समर्थन किया है। पांच लाख से अधिक लोग इसमें भाग लेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता मंच पर मौजूद रहे।

उत्तम स्वास्थ्य का है मौलिक अधिकार, हो उच्चस्तरीय जांच

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को शुगर कंट्रोल करने के लिए जेल में इन्सुलिन नहीं देने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी तत्काल जांच की जानी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को अपने उत्तम स्वास्थ्य का मौलिक अधिकार है। ये समाचार अविश्वसनीय है कि जेल में उनकी बढ़ती शुगर को नियंत्रित करने के लिए इन्सुलिन देने से मना किया जा रहा है। इस समाचार का तत्काल उच्च स्तरीय संज्ञान लिया जाए और पता किया जाए कि इस साजिश के पीछे किसके निर्देश हैं। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को अभी तक बेल नहीं मिल सकी है। वो शराब घोटाले के आरोपी बताए जा रहे हैं।

बीजेपी आदिवासियों के लिए खतरा : कल्पना सोरेन

रैली में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने उनका संदेश पढ़ा। उन्होंने दावा किया कि अगर पार्टी मौजूदा चुनाव जीतती है तो यह आदिवासियों के लिए एक बड़ा खतरा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में सरकारें गिराने का काम कर रही है, हम लोकतंत्र को विफल नहीं होने देंगे। हेमंत सोरेन ने जेल से अपने संदेश को पढ़ते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मेरे पति हेमंत सोरेन को चुनाव से ठीक पहले उन ताकतों ने जेल में डाल दिया, जो उनकी सरकारों के खिलाफ साजिश रच रहे थे। विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन भाजपा और ऐसी ताकतों को झारखंड से बाहर कर दिया जाएगा।

कल्पना ने कहा कि दिल्ली के

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भगवान राम सिर्फ हिंदुओं के नहीं : फारूक अब्दुल्ला

» बोले- कुछ लोग राम को बेच रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भगवान राम केवल हिंदुओं के नहीं, बल्कि सभी के हैं। वे रांची में विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलगुलान न्याय महारैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि वे भगवान राम को बेच रहे हैं। वे दावा कर रहे हैं कि वे उन्हें लेकर आए हैं। वे भगवान राम को नहीं जानते।

राम केवल हिंदुओं के नहीं, बल्कि दुनिया के हैं। राम सभी के हैं, लेकिन उन्होंने राम को अपना बना लिया है और दावा कर रहे हैं कि वह केवल उनके हैं। फारूक अब्दुल्ला ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से डर गई है। उन्हें बिना किसी गलती के सलाखों के पीछे डाल दिया गया। अब्दुल्ला ने लोगों से देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए इंडिया के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने की अपील की।

कम वोटिंग सत्ता पक्ष के लिए खतरे की घंटी!

मतदान कम होना कहीं पड़ न जाए भारी?
नेताओं के अपनी-अपनी जीत के दावे

पिछले चुनाव में बीजेपी का 8 में से 4 सीट पर था कब्जा

- पश्चिम यूपी के 8 सीटों पर नजर
- सपा-कांग्रेस मार सकती है बाजी
- बीजेपी का भी जीत का दावा
- भाजपा से नाराजगी करेगी नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहले चरण की 102 लोक सभा सीटों पर मतदान हो गया। पर सबसे बड़े दुख की बात यह है कि चुनाव आयोग की कड़ी मशक्त के बाद भी वोटिंग प्रतिशत पिछले लोक सभा चुनाव को पार नहीं कर पाया। देश के सबसे ज्यादा सीटे देने वाले राज्य यूपी में मत प्रतिशत 60 के आसपास ही सिमट गया जबकि पिछले 2019 के चुनाव में यह लगभग 64 प्रतिशत था। हालांकि यूपी में अभी मात्र 8 सीटों में वोटिंग हुई। पिछले चुनाव में यहां की 4 सीटें विपक्ष के खाते में गई थी जबकि बीजेपी को भी चार ही सीटें मिली थीं। इसबार वोटिंग कम हुई तो इसके क्या मायने है। विषेशज्ञों का मानना या तो ये वोट परंपरागत वोटरों के हो सकते हैं या ऐसे वोटरों के जो बदलाव चाहते हैं इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी पर इतना तो है कि कम वोटिंग प्रतिशत स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कदापि अनुचित है हमेशा वोटिंग प्रतिशत बढ़ने चाहिए। खैर ये सब तो चर्चा में चलता रहेगा कि कम वोटिंग ठीक है या गलत पर नेताओं ने अपने-अपने जीत के दावें किए है। 4 जून को पता चल जाएगा किसको लाभ हुआ है किसको हानि। पहले चरण के तहत वेस्ट यूपी की आठ सीटों पर 19 अप्रैल को वोटिंग हो चुकी है। 2014 और 2019 की तुलना में इस बार सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, कैराना, बिजनौर और नगीना सीट पर कम वोट पड़े हैं। जानकारों का कहना है कि बीजेपी को कम वोटिंग की वजह से नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बीजेपी ने डोर टू डोर कैंपेन किया। अगर इसके बाद भी लोग वोट करने नहीं निकले तो इसका मतलब है कि कहीं ना कहीं लोगों में नाराजगी है। जानकारों की मानें तो मुस्लिम, ठाकुर और किसानों की नाराजगी की वजह से बीजेपी को मुजफ्फरनगर और कैराना सीटों पर नुकसान हो सकता है। गौरतलब है कि सहारनपुर लोकसभा सीट पर 65.95 प्रतिशत, कैराना में 61.17 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 59.29 प्रतिशत, बिजनौर में 58.21 प्रतिशत, नगीना लोकसभा सीट पर 59.54 प्रतिशत वोटिंग हुई है। इसके अलावा मुरादाबाद में 60.60त्न, रामपुर में 54.77 प्रतिशत और पीलीभीत सीट पर 61.91 प्रतिशत वोटिंग हुई है। रामपुर में सबसे कम तो सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। 2019 और 2014 चुनाव की तुलना करें तो आठ सीटों में से 5 सीट पर कम वोटिंग हुई है।

मुस्लिम बूथों पर सुबह ही उमड़ पड़ी भीड़

कैराना, थानाभवन और गढ़ीपुख्ता में सुबह ही मुस्लिम बूथों पर मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। हालांकि, 9 बजे के बाद भीड़ कम रही। दोपहर बाद फिर से यहां पर मुस्लिम मतदाताओं ने मतदान किया। अन्य बूथों पर मतदान थोड़ा धीमा रहा। दोपहर बाद मतदान की गति कुछ बढ़ती नजर आई। हिंदू बहुल शामली के हिंदू कन्या इंटर कॉलेज, आर्य समाज मंदिर, किसान धर्मशाला, ऊन में दोपहर के समय वोटरों की भीड़ उमड़ी रही।

दक्षिण के बाद अब यूपी में कांग्रेस करेगी मंथन

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अब उत्तर प्रदेश में चुनावी रंग चटख करेंगे। इसकी शुरुआत 20 अप्रैल को अमरोहा से होगी। अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली है। इसके साथ ही दूसरे चरण के चुनाव में यह दोनों प्रमुख नेता प्रदेश में सभा व रोड शो करेंगे। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से प्रत्याशी हैं। इसे देखते हुए पहले चरण के चुनाव में उन्होंने अपना पूरा फोकस दक्षिण में कर रखा था। यही वजह रही कि प्रदेश में पहले चरण के चुनाव में उनकी एक भी सभा नहीं हुई। हालांकि पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन गाजियाबाद में उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की थी। इसी दिन प्रियंका गांधी ने भी सहारनपुर में रोड शो किया था।पार्टी नेताओं का कहना है कि पहले चरण में भी राहुल गांधी की सभाएं प्रस्तावित थी लेकिन दक्षिण में उनकी व्यस्तता के कारण समय नहीं मिल सका। हालांकि अब वह प्रदेश में नियमित अंतराल में रैली व सभाएं करेंगे। अमरोहा के बाद झांसी में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त सभा प्रस्तावित की गई है। कुछ एक जगह उनका रोड शो भी प्रस्तावित किया गया है। इसी क्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जल्द सभा होगी।

अमेठी-रायबरेली पर अब होगी माथापच्ची

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय स्थित वार रूम के वरिष्ठ सदस्यने कहा कि राहुल के साथ ही गाजियाबाद व फतेहपुर सीकरी में प्रियंका गांधी का रोड शो प्रस्तावित है। जल्द ही इसके लिए समय मिलने की उम्मीद है। इसी के साथ अमरोहा में ही दीपेंद्र हुड्डा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अन्य सीटों पर कन्हैया कुमार व उदितराज आदि नेताओं के भी कार्यक्रम जल्द ही फाइनल होंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में कई वरिष्ठ नेताओं व दूसरे प्रदेश के नेताओं की सभाएं होंगी। कांग्रेस और गांधी परिवार से जुड़ी प्रदेश की दो महत्वपूर्ण सीटों अमेठी और रायबरेली की सीट पर चल रहा प्रत्याशी का संशय भी जल्द समाप्त होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह यहां का टिकट घोषित हो सकता है। पूरी उम्मीद है कि यहां पर गांधी परिवार से ही प्रत्याशी होगा। अगर यहां से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनावी मैदान में उतरता है तो कांग्रेस अपनी पूरी ताकत यूपी में झोंकेगी। इसका असर इन दो के साथ अन्य सीटों पर भी पड़ेगा।

कैराना में भाजपा-सपा में कांटे का मुकाबला

देशभर में हॉट सीट मानी जाने वाली कैराना लोकसभा सीट पर मतदाताओं के बदले रुख ने प्रत्याशियों के गणित को भी उलझाकर रख दिया। इस सीट पर भाजपा-सपा में कांटे की टक्कर है। हालांकि, कुछ स्थानों पर बसपा का हाथी भी दौड़ता नजर आया। इस सीट पर सुबह के समय मतदान धीमा रहा। गठवाला खाप के गांवों में भी दोपहर तक मतदान के लिए लोग बाहर नहीं निकले। इस बार देखने को मिला कि मतदाताओं ने साइलेंट होकर मतदान किया। जिस भी प्रत्याशी की सेंधमारी अपने कोर वोटरों के अलावा अन्य में ज्यादा होगी, वही जीत दर्ज करेगा। मगर इतना साफ है कि हार जीत का अंतर इस बार कम रहने की उम्मीद है। कैराना लोकसभा सीट देशभर में पलायन के मुद्दे को लेकर चर्चाओं में आई थी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हो या फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सभी ने हाल ही में हुई जनसभाओं में पलायन के मुद्दे का जिक्र करते हुए एक वर्ग के मतदाताओं को अपनी ओर करने का प्रयास किया था। इस सीट पर भाजपा ने सांसद प्रदीप चौधरी, सपा ने इकरा हसन, बसपा ने श्रीपाल राणा को चुनाव मैदान में उतारा है। इनके अलावा छह निर्दलीय समेत 11 प्रत्याशी और चुनाव मैदान में थे। मुस्लिम बहुल इलाकों में सपा की साइकिल पूरी रफ्तार से दौड़ी तो गुर्जर, हिंदू बहुल इलाकों में कमल का फूल भी खूब खिला। हालांकि, दलित बहुल इलाके बडियाल, शामली का नया बाजार, सिलावर में हाथी भी रफ्तार के साथ दौड़ता नजर आया। मुस्लिम बहुल कैराना में सपा की साइकिल दौड़ती नजर आई। गुर्जर बहुल गांवों और शामली शहर में ध्रुवीकरण का असर साफ दिखाई दिया। उधर, थानाभवन कसबे में मुस्लिम बहुल बूथों पर सपा की साइकिल दौड़ती नजर आई तो वैश्य, पंजाबी और अन्य बिरादरियों के बूथों पर कमल खिल रहा था। जाट बहुल लाक, लिसाढ़, और बहावडी में मतदाता भाजपा, सपा में बंटे नजर आए। गठवाला खाप के लिसाढ़ गांव में दोपहर 12 बजे चारों बूथ खाली पड़े थे। यहां मौजूद लोगों ने बताया कि इस बार मतदान थोड़ा धीमा है, हालांकि लोगों ने दोपहर बाद खेतों से लोगों के आने के बाद मतदान बढ़ने की बात कहीं।ऊन क्षेत्र में भी मतदान रुझान उतार चढ़ाव भरे रहे।इस बार मतों का ध्रुवीकरण रहा। मतदाता भी एक तरह से बंटे नजर आए। ठाकुर बहुल हरड़ फतेहपुर, नौजल, मनठ, गांव में भाजपा का विरोध भी देखने को मिला।

370 के हटने के बाद पहला आम चुनाव, जम्मू में निकले वोटर

भारी बारिश और बर्फबारी के बीच जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र का जश्न शुक्रवार को मना। पहले चरण में उधमपुर संसदीय सीट के लिए 68.27 फीसदी लोगों ने मतदान किया। पिछली बार की तुलना में दो प्रतिशत कम मतदान हुआ। चुनाव में कुल 16.23 लाख लोगों को मतदान करना था। सुबह सात से शाम छह बजे तक चले मतदान के बाद इस सीट के लिए 12 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद हो गया है। अब चार जून कठुआ में मतगणना होगा। सुबह की बारिश के बाद दोपहर बाद तक मौसम साफ रहा, लेकिन शाम ढलते ही डोडा, किश्तवाड़ तथा कठुआ के कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई। इससे मतदान पर असर पड़ा। चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा बलों की 200 कंपनियों की तैनाती की गई थी। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में यह पहला आम चुनाव है जिसमें मतदाताओं में उत्साह देखा गया। सीट पर भाजपा, कांग्रेस तथा डीपीएपी के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबला देखा गया। उधमपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी लाल सिंह ने कठुआ तथा डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के जीएम सरूरी ने डोडा में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भाजपा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह का वोट उधमपुर संसदीय सीट में नहीं होने की वजह से उन्होंने विभिन्न जिलों में मतदान केंद्रों का दौरा किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सिर्फ उंगली की स्याही नहीं देशभक्ति की निशानी है!

कसी भी लोकतंत्र के लिए लोगों का ज्यादा से ज्यादा संख्या में पोलिंग बूथ पर आकर वोट डालना जरूरी है। अगर जनता ज्यादा संख्या में वोटिंग करेगी तो यह देश के लिए लाभदायक होगा। कुल मिलाकर सभी लोग चाहते हैं कि देश के भविष्य लिए लोग भारी मात्रा में अपने मत का अधिकार का प्रयोग करें और देश भविष्य संवारे।

पहले चरण में कम मतदान से सभी चिंतित हैं। चुनाव आयोग ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई जतन भी किए। पीएम मोदी से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक ने ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने लोगों से वोटिंग की अपील की है। लोगों को समझना चाहिए कि उंगली पर लगी स्याही उनकी देशभक्ति दर्शाने की निशानी है। हालांकि अभी और भी चरण बाकी है उम्मीद है कि आगे आने वाले मतदान में वोटिंग प्रतिशत सुधर जाए। किसी भी लोकतंत्र के लिए लोगों का ज्यादा से ज्यादा संख्या में पोलिंग बूथ पर आकर वोट डालना जरूरी है। अगर जनता ज्यादा संख्या में वोटिंग करेगी तो यह देश के लिए लाभदायक होगा। कुल मिलाकर सभी लोग चाहते हैं कि देश के भविष्य लिए लोग भारी मात्रा में अपने मत का अधिकार का प्रयोग करें और देश भविष्य संवारे।

दरअसल, प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने देश के नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह ''सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों'' में से एक है, निर्वाचन आयोग के 'माई वोट माई वॉयस' मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा, ''हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए। संवैधानिक लोकतंत्र में नागरिकता के सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक कर्तव्य वोट डालना है।'मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि कृपया हमारी महान मातृभूमि के नागरिक के रूप में जिम्मेदारी से मतदान करने का यह अवसर न चूकें। हर पांच साल में पांच मिनट, हमारे देश के लिए। यह किया जा सकता है, है ना? आइए, गर्व के साथ मतदान करें। मेरा वोट, मेरी आवाज। सरकार चुनने में नागरिकों की सहभागी भूमिका होती है और इसीलिए कहा जाता है कि ''यह सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए सरकार है।'' जब वह पहली बार मतदाता बने थे और मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान केंद्र में कतार में खड़े हुए थे, तब वह कितने उत्साहित थे। जब मैं वोट देता हूं तो उंगली पर लगने वाली स्याही देशभक्ति और राष्ट्र के साथ जुड़ाव की जबरदस्त भावना पैदा करती है...। हमारा संविधान और हमारा कानून एक नागरिक, एक वोट और एक मूल्य का प्रावधान करता है। मुझे लगता है कि संवैधानिक लोकतंत्र के रूप में यह हमारे देश की महान दृढ़ता और शक्ति है। सारे दिग्गज ही एक जिम्मेदार देशवासी को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश से सिर्फ अपने अधिकार ही नहीं मांगते रहना चाहिए उसे अपने देश के प्रति अपना कर्तव्य भी निभाते रहना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कई आशंकाओं से भरा खतरनाक रास्ता!

पंकज चतुर्वेदी

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में सड़क हादसे में 6 बच्चों की मौत हो गई। 15 से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। चूंकि माहौल चुनाव का है सो प्रधानमंत्री से लेकर विधायक तक सक्रिय हो गये। कुछ कार्रवाई होती भी दिख रही है। जो बस सड़क पर चल रही थी, उसका अनफिट होने के कारण एक महीने पहले भी 15 हजार का चालान हुआ था। सब जानते थे कि बस चलाने वाला शराब पिए है और उसकी ड्राइविंग बेलगाम थी, इसके बावजूद बस सड़क पर चलती रही। अभी इस दुर्घटना के बाद सड़कों पर बसों की जांच और चालान की औपचारिकता चल ही रही थी कि यमुनानगर में स्कूली बच्चों से भरा एक तिपहिया पलट गया, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई। सात बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं।

जो वाहन महज तीन सवारी के लिए परमिट प्राप्त है, उसमें 12 से अधिक बच्चे भरे थे। सड़क पर चलने के लिए नाकाबिल वाहन, क्षमता से अधिक बच्चे, बेतहाशा गति, अकुशल चालक- स्कूल जाने वाले बच्चों को लाने ले जाने में लिप्त वाहनों के मामले में सारे देश की यही एक-सी तस्वीर है। दिल्ली के वजीराबाद पुल पर लुडलो केसल स्कूल की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर 28 बच्चों की मौत के बाद सन् 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली बसों के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार स्कूल बस पीले कलर की होनी चाहिए। इसके साथ ही उस पर स्कूल बस जरूर लिखा होना चाहिए। बस में फर्स्ट-ऐड बॉक्स होना जरूरी है और बस की खिड़की में ग्रिल लगी होनी चाहिए। इसके साथ ही बस में आग बुझाने वाला यंत्र भी लगा होना चाहिए। स्कूल बस पर स्कूल का नाम और टेलीफोन नंबर भी होना चाहिए। यही नहीं, दरवाजों पर ताले लगे हों और बस में एक अटेंडेंट भी हो। सबसे बड़ी बात कि अधिकतम स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए। यह निर्देश दिल्ली में ही हवा-हवाई हैं। और अब तो स्कूल पहुंचने की राह में बड़ा खतरा ओमनी वैन हैं जिसमें अतिरिक्त सीटें लगा कर क्षमता से दोगुने नहीं तीन गुणा अधिक बच्चे बैठना, उनकी अंधाधुंध स्पीड और सबसे अधिक उसके चालकों का संदिग्ध व्यवहार नए किस्म का खतरा है।

देश में आए रोज बच्चों के यौन शोषण में ऐसे वाहन चालकों की संलिप्तता सामने आती है। बसों के मामलों में तो स्कूल को जिम्मेदार बना

दिया जा सकता है लेकिन वैन में ओवर लोडिंग, दुर्व्यवहार और दुर्घटना होने पर स्कूल हाथ झटक कर अलग हो जाते हैं। बीते कुछ सालों में बैटरी चालित रिक्शा स्कूल की राह का एक खतरनाक साथी बना है। इसमें बेशुमार संख्या में बच्चों को भरना, प्रतिबंधित या तेज गति के वाहनों वाली सड़क पर संचालन करना और अनाड़ी चालक होने के कारण इनके खूब एक्सीडेंट हो रहे हैं। बीते कुछ सालों में विद्यालयों में बच्चों का पंजीकरण बढ़ा है। स्कूल में ब्लैक बोर्ड, शौचालय, बिजली, पुस्तकालय जैसे मसलों से लोगों के सरोकार बढ़े हैं, लेकिन जो सबसे गंभीर मसला है कि बच्चे स्कूल तक सुरक्षित कैसे पहुंचें? इस पर न तो सरकारी और न ही सामाजिक स्तर पर कोई विचार हो पा रहा है।

परिवहन को प्राय: पुलिस की ही तरह खाकी वर्दी पहनने वाले परिवहन विभाग का मसला मान कर उससे मुंह मोड़ लिया जाता है। दरअसल बढ़ते पंजीकरण को देखते हुए बच्चों के सुरक्षित, सहज और सस्ते आवागमन पर जिस तरह की नीति की जरूरत है, वह नदारद है। निजी स्कूलों में हजारों बच्चे पढ़ते हैं, स्कूलों की अपनी बसों की संख्या सीमित हैं, औसतन 1000-1500 बच्चे इनसे स्कूल आते हैं। शेष का क्या होता है? यह देखना रोंगटे खड़े कर देने वाला होता हैं। पांच लोगों के बैठने के लिए परिवहन विभाग से लाइसेंस पाए वैन में 12 से 15 बच्चे ठुंसे होते हैं। बैटरी रिक्शे में दस बच्चे 'आराम' से घुसते हैं। दुपहिया पर बगैर हैलमेट लगाए अभिभावक तीन-तीन बच्चों को बैठाए रफ्तार से सरपट होते दिख जाते हैं। रोज एक्सीडेंट होते हैं, क्योंकि यही समय कालोनी के लोगों का अपने काम पर जाने का होता है।

ऐसा नहीं है कि स्कूल की बसें निरापद हैं, वे भी 52 सीटर बसों में 80 तक बच्चे बैठा लेते हैं। यहां यह भी गौर करना जरूरी है कि अधिकांश स्कूलों के लिए निजी बसों को किराए पर लेकर बच्चों की ढुलाई करवाना एक अच्छा मुनाफे का सौदा है। ऐसी बसें स्कूल करने के बाद किसी रूट पर चार्टेड की तरह चलती हैं। तभी बच्चों को उतारना और फिर जल्दी-जल्दी अपनी अगली ट्रिप करने की फिराक में ये बस वाले यह ध्यान रखते ही नहीं है कि बच्चों का परिवहन कितना संवेदनशील मसला होता है। स्कूल का समय सुबह 10 बजे से करना, सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करना, प्रयुक्त वाहनों में ओवरलोडिंग या अधिक रफ्तार से चलाने पर कड़ी सजा का प्रावधान करना, असुरक्षित साधनों के लिए कड़े मानदंड तय करना समय की मांग है।

अनियमित उपभोक्तावाद की आसक्ति से नहीं मिलेगी खुशी

अविजित पाठक

हालांकि हम लोग एक भयावह रूप से हिंसाग्रस्त विश्व में जी रहे हैं, वह जिसमें लगातार होने वाले युद्ध, सैन्यीकरण, नए किस्म का अधिनायकवाद, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक कारणों से बना मानसिक संताप इसका चरित्र बन गया है। और मानो इन सबके बीच 'खुशी' ढूंढ़ना एक अनन्त खोज बन गई है। आधुनिक काल में, हमें गुणा-भाग वाली सूक्ष्मता से प्यार हो गया कि तुर्रा यह कि खुशी जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण और आत्मनिष्ठ अनुभव को भी हमने नापने-तोलने की चीज बना डाला है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास उपाय नेटवर्क एक सूची जारी कर, विभिन्न मुल्कों का पदानुक्रम तय करता है जो उसके हिसाब से मापने लायक 'खुशी सूचकांक' पर आधारित है- इस निर्धारण में सकल घरेलू उत्पाद, आयु दीर्घता, राजकीय कामकाज दक्षता, स्वतंत्रता, सामाजिक संबल (परोपकारी व्यवहार) को गिना जाता है। जहां फिनलैंड पिछले सालों की भांति 'सबसे खुश' देश है वहीं विश्व खुशी रिपोर्ट-2024 में भारत का स्थान 143 देशों में 126वां है।

खैर, मैं इस किस्म की रिपोर्ट के गुण-दोषों को पूरी तरह खारिज भी नहीं करता। बेशक, एक उचित मात्रा में सामाजिक सुरक्षा, राज्य द्वारा चलाई जाने वाली सामाजिक भलाई नीतियां, अच्छी मेडिकल सुविधाएं, रोजगार उपलब्धता, संवाद की मौजूदगी वाला समाज और राजनीतिक स्वतंत्रता रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ हद तक संतोष पैदा करते हैं। तथापि, यहां यह अहसास भी उतना ही जरूरी है कि 'शुद्ध खुशी' जैसी कोई चीज नहीं हो सकती, क्योंकि उल्लास के हमारे सबसे बढ़िया लम्हे और संतोष भी कुछ हद तक आशंका से जुड़े होते हैं, मसलन, जो कुछ हमारे पास है उसे खोने का डर, चाहे यह भौतिक संपदा, शरीर की तंदुरुस्ती हो या फिर प्रियजनों का साथ छूटने का भय। ताजिंदगी हम 'सम्पूर्ण खुशी' के पीछे भागते रहते हैं, लेकिन फिर भी यह हाथ नहीं आती। कोई हैरानी नहीं कि हमारे इस काल में जीवन जीने का ढंग सिखाने वाले, प्रेरणास्पद भाषणकर्ता और आध्यात्मिक बाबाओं की कोई कमी नहीं, जो बारम्बार हमें एक खास तकनीक पर चलने की सीख देते हैं, मसलन, समाधि अभ्यास, श्वास साधक व्यायाम, सचेतन होना इत्यादि - 'खुश' व 'सफल' होने के मकसद हेतु।

लेकिन फिर, यह समझना चाहिए कि खुशी की प्राप्ति कैप्सूल खाने जैसा एक त्वरित उपाय नहीं है, जिसकी खुराक किसी स्व-सहायता पुस्तक या आश्रम अथवा मठ के विशेष सत्रों में भाग लेकर मिले। तथ्य तो यह है कि यदि सच में हम एक आडम्बरहीन, शांतिपूर्ण और संतोष से परिपूर्ण दुनिया की ओर बढ़ना चाहते हैं तो हमें स्व और दुनिया अथवा राजनीति और अध्यात्म के बीच पुल बनाना होगा। उदाहरणार्थ, जरा सोच कर देखिए, जो व्यक्ति भूख, कुपोषण और सिर पर छत न होने से बेहाल है उसको संचेतना सिखाने की बेवकूफी (बुरे अनुभवों से बने संताप या अस्थिर भविष्य की आशंका को नजरअंदाज कर वर्तमान में जीने की समर्था बनाए) ।

या फिर उस मानसिक हिंसा के बारे में सोचिए जो एक बेरोजगार युवा के मानस पर चोट करती है, जब नौकरी पाने में कंपनी दर कंपनी से अस्वीकृति झेलनी पड़े, जिस पर आप उसे सबसे अधिक बिकने वाली स्व-सहायता किताब 'मैं ठीक हूं- आप ठीक हैं' जैसी कोई पुस्तक पढ़ने को कहें ताकि 'अच्छा' और 'सकारात्मक' महसूस का भ्रम पाले। यह ठीक उतना ही बेवकूफाना है जब किसी बेघर को या जो पहले से झुग्गी में रह रहा है, उसे न्यूनतम साधनों में जीवन जीने का प्रवचन दिया जाए। राजनीतिक व आर्थिक असमानता की नींव को बदले बिना हम अ गैर-बराबर व शोषण करने वाली दुनिया को बदलकर संतोष की ओर नहीं बढ़ सकते। इसी प्रकार जैसा कि 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' बताती है कि भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं या जब 'द राइज़ ऑफ बिलिनियर्स राज' नामक शोध-पत्र कहे कि भारत के चोटी के 1 फीसदी अमीरों के हाथ में 40 प्रतिशत आम लोगों के बराबर सरमाया है, तो एक आम भारतीय को महसूस हो रहे संताप, भय और आशंका का अंदाजा लगाना कठिन नहीं। भले ही हमारे पास हजारों की संख्या में बाबा, गुरु और स्व-सहायता सिखाने वाले हों, जो मोक्ष प्राप्ति की जुगत के तौर हमें नाना किस्मों की घुट्टी पिलाते हैं, तथापि अलफ सच्चाई है कि हमारा देश नाखुश मुल्क है। संभवत: हमारे समाज में राजनीतिक-आर्थिक पुनर्संरचना किए बिना हम वैसा सामाजिक परिवेश नहीं बना सकते, जो यथेष्ट संतोष से परिपूर्ण लोगों की तरक्की अनुकूल हो।

ऐसा नहीं है कि मुझे अर्थपूर्ण, सतत और करुणामय जीवन के लिए आत्मविश्लेषण या अंदरूनी शांति के महत्व से इंकार है। जहां उचित मात्रा में आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे रोजमर्रा के जीवन को कुछ आरामदायक बनाती है वहीं हम एक अधिक अर्थपूर्ण और शांतिपूर्ण वजूद की ओर नहीं बढ़ सकते, जिसके बिना मैं जीवन को धर्मनिष्ठ नहीं कह सकता। उदाहरणार्थ, यह धर्मनिष्ठा जीवन जीने के ढंग में, गैर-उपभोक्तावाद अवस्था की कला विकसित करने के बारे में हैं। भोजन, आवास, जीवन-पुष्ट शिक्षा, राजनीतिक स्वतंत्रता और विरक्ति न बनाने वाले काम जैसी मूलभूत जरूरतों को लालच के वायरस के मोहपाश में जा फंसने से अलहदा कर पहचानना होगा- वह लालच जिसका बाजार-चालित समाज ने सामान्यीकरण कर दिया है।

वायु प्रदूषण फेफड़ों के लिए होता है घातक

लाइफस्टाइल-आहार में गड़बड़ी के कारण पिछले एक-दो दशकों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम काफी तेजी से बढ़ता देखा गया है। अब कम उम्र के लोग भी क्रोनिक बीमारियों के शिकार पाए जा रहे हैं, जो न सिर्फ स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव का कारण बनती है, साथ ही इसके सामाजिक और आर्थिक रूप भी कई नुकसान हैं। बीमारियां और आपदाएं मृत्यु और विकलांगता के कारणों के रूप में सामने आती हैं। ऐसे ही विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर लोगों का ध्यान केंद्रित करने और उससे बचाव को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल विश्व स्वास्थ्य दिवस भी मनाया जाता है।

बौद्धिक क्षमता भी होती है प्रभावित

हार्मोनल असंतुलन

वायु प्रदूषण के कारण प्रजनन स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर भी अलर्ट किया जाता रहा है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, पुरुषों-महिलाओं दोनों के यौन स्वास्थ्य पर प्रदूषण का नकारात्मक असर हो सकता है। प्रदूषण के संपर्क में रहना महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन की समस्या बढ़ती देखी गई है, जो प्रजनन क्षमता को प्रभावित करने और बांझपन के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

प्रदूषण से होने वाली समस्याएं

सेहत पर कई प्रकार के पर्यावरणीय कारक भी गंभीर क्षति पहुंचाते हैं। वायु प्रदूषण और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट किया जाता रहा है। वायु प्रदूषण को श्वसन समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है, पर असल में इससे और भी कई प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों का खतरा हो सकता है।

मस्तिष्क रोगों का खतरा

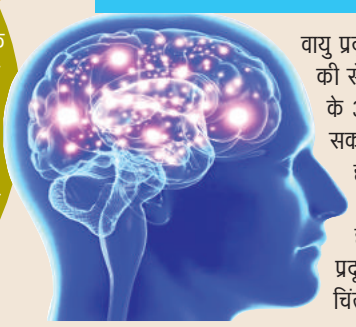

वायु प्रदूषण को फेफड़ों और श्वसन स्वास्थ्य के साथ मस्तिष्क की सेहत के लिए भी हानिकारक माना जाता है। वायु प्रदूषण के अल्पावधि और दीर्घकालिक दोनों तरह के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि प्रदूषकों के कारण हमारे मस्तिष्क की कोशिकाओं में क्षति होने का जोखिम रहता है, जो संवाद करने के तरीके, स्मृति हानि जैसी दिक्कतों का कारण बन सकती है। वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में रहने वाले लोगों में चिंता और अवसाद का अनुभव भी देखा गया है।

फेफड़ों की क्षमता पर असर

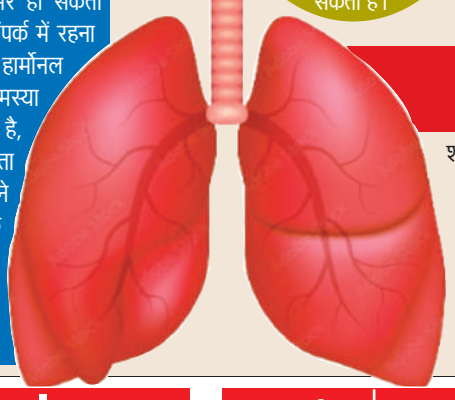

शोधकर्ताओं की टीम ने बताया, लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से अस्थमा और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) सहित फेफड़ों की कई गंभीर बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। जिन लोगों को पहले से सांस से संबंधित बीमारियां जैसे अस्थमा या ब्रोंकाइटिस रही हैं, उनमें वायु प्रदूषण के कारण इन समस्याओं के ट्रिगर होने का खतरा हो सकता है। प्रदूषित हवा में मौजूद अति सूक्ष्म कण हृदय की कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

हंसना मना है

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू : अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा- गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

चिंटू डॉक्टर के पास गया, चिंटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिंटू- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिंटू- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

पत्नी: मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं? पति: बहुत ज्यादा... पत्नी: फिर भी बताओ कितनी? पति: इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं...

चिंटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिंटू: कौन है भाई ? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिंटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक लोमड़ी

एक बार की बात है किसी जंगल में एक कौआ रहता था। वह बहुत दुष्ट था इसलिए हर कोई उससे दूर ही रहता था, क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज में गाता रहता था और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन वह भोजन की तलाश में जंगल से दूर गांव की ओर निकल कर आ गया। किस्मत से उसे वहां एक रोटी मिल गई। रोटी लेकर वो वापस जंगल की ओर आ गया और आकर अपने पेड़ पर बैठ गया। वहीं से एक लोमड़ी जा रही थी और उसे बहुत तेज भूख लगी हुई थी। उसने कौवे के पास रोटी देखी और रोटी को किसी भी तरह खाने का विचार करने लगी। जैसे ही कौआ रोटी खाने को हुआ, नीचे से लोमड़ी की आवाज आई - अरे कौआ महाराज, मैंने सुना है कि यहां पर बहुत सुरीली आवाज में कोई गाना गाता है, क्या वो आप हैं। लोमड़ी के मुंह से अपनी आवाज की तारीफ सुनकर कौआ मन ही मन बहुत खुश हुआ और अपना सिर हां में हिला दिया। इस पर लोमड़ी बोली कि क्यों मजाक कर रहे हो महाराज। इतनी मधुर आवाज में आप गा रहे थे, मैं यह कैसे मान लूं? अगर आप गा कर बताएंगे, तो मुझे यकीन हो जाएगा। कौआ लोमड़ी की बात सुनकर जैसे ही गाने को हुआ, उसके मुंह में दबी रोटी नीचे गिर गई। रोटी नीचे गिरते ही लोमड़ी ने रोटी पर झपट्टा मारा और रोटी खाकर वहां से चली गई। भूखा कौआ लोमड़ी को देखता रह गया और अपने किए पर बहुत पछताया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। साथ ही ऐसे लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी झूठी प्रशंसा करते हैं। ऐसे लोग सिर्फ अपना काम निकलवाने के लिए ऐसा व्यवहार करते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ

मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला

पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है।

वृश्चिक

चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा।

मकर

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन

अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हम बनाएंगे अपनी अलग पहचानः आयुष शर्मा

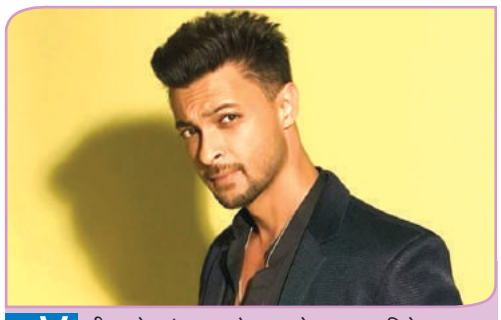

बॉलीवुड मे दबंग खान के नाम से मशहूर अभिनेता सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा अपनी अगली फिल्म के प्रमोशन मे व्यस्त हैं। वह लगातार खुद को इंडस्ट्री मे बतौर अभिनेता स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। आयुष इस वक्त अपनी आगामी फिल्म रुसलान को प्रमोट कर रहे हैं। यह पहला मौका है, जब अभिनेता ने अपनी फैमिली के प्रोडक्शन से बाहर की फिल्म की हैं। इससे पहले उनकी दोनों फिल्में फैमिली के प्रोडक्शन में ही बनी थीं। आयुष रुसलान से खुद को एक अभिनेता के तौर पर स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इंडस्ट्री में पांव जमाने को लेकर इस फिल्म की सफलता उनके लिए काफी जरूरी है। अब तक रिलीज हुई दोनों फिल्मों में उन्हें सलमान का साथ मिला था। सलमान की बहन अर्पिता से शादी के बंधन में बंधने के बाद साल 2018 में फिल्म लवयात्री से दबंग खान ने उन्हें लॉन्च किया था। इसके बाद फिल्म अंतिम में भी सलमान ने आयुष का साथ दिया था। ऐसे में लगातार यह कहा जाता रहा है कि उन्हें सलमान का संरक्षण प्राप्त है। उनके ऊपर दबंग खान का हाथ होने से उन्हें इंडस्ट्री मे काम आसानी से मिल गया। इस मसले पर आयुष ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता आयुष शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रुसलान के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान उनसे बतौर अभिनेता सलमान का टैग लगे होने को लेकर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होनें कहा, मैं किसी के विचारों से नहीं लड़ रहा, मेरे काम से ही लोगों की राय बदली जा सकती है। इसके अलावा मेरे बारे में कही जा रही किसी भी बात से मैं इनकार नही करता। सलमान ने मुझे लॉन्च किया, संरक्षण दिया उसके लिए मैं उनका आभारी हूं, लेकिन अब मैं इससे बाहर आ रहा हूं और मैं अपनी एक अलग पहचान बनाऊंगा। आयुष ने आगे कहा, मेरा काम मेरे लिए बोलेगा, मैं पीछे मुड़कर ये नहीं कहूंगा कि लोगों ने मेरे बारे में ऐसी राय बनाई, अब मैं इसे स्वीकार करता हूं। मेरा काम है मेहनत करना और खुद को साबित करना। अपने बारे में लोगों की राय को बदलने का एकमात्र तरीका यही है कि मैं बेहतर काम करके दिखाऊं।

रोहित को टीम में शामिल करने की खबर झूठी : जिंटा

बॉलीवुड अभिनेत्री और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की मालिक प्रीति जिंटा को लेकर खबर आई कि वह रोहित शर्मा को अपनी टीम में जोड़ना चाहती हैं। यह भी दावा किया गया कि वह शिखर धवन की जगह रोहित शर्मा को आईपीएल टीम का कप्तान बनाने की तैयारी कर रही हैं। इस खबर पर हाल ही में प्रीति जिंटा ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इन खबरों को पूरी तरह गलत ठहराया है। सामने आई तमाम खबरों में यह दावा किया गया है कि प्रीति जिंटा ने ऐसा कहा है कि वह अगले ऑक्शन में रोहित शर्मा को अपनी टीम में शामिल करने के लिए पूरी जी-जान लगा देंगी। इस मामले पर प्रीति जिंटा ने तमाम पोर्टल पर चल रहीं इन खबरों के स्क्रीन शॉट साझा करते हुए लिखा है, ये खबर फर्जी हैं। उन्होंने आगे एक नोट लिखा है, फेकन्यूज! ये सभी आर्टिकल पूरी तरह से गलत और निराधार हैं।प्रीति जिंटा ने आगे लिखा है, मैं रोहित शर्मा का बेहद सम्मान करती हूं और मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक भी हूं। लेकिन, मैंने ऐसा कोई इंटरव्यू नहीं दिया। इस तरह का बयान भी कभी नहीं दिया। मैं शिखर धवन का बहुत सम्मान करती हूं। फिलहाल वह चोटिल हैं और ऐसे वक्त में इस तरह के आर्टिकल्स का आना बहुत खराब है। यह आर्टिकल गलत सूचनाओं का उदाहरण हैं, जिन्हें बिना किसी तथ्य के जाने चलाया गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं बहुत विनम्रता के साथ मीडिया से अनुरोध करती हूं कि वे इसे प्रसारित करने से बचें। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि वर्तमान में हमारे पास एक बेहतरीन टीम है और हमारा एकमात्र ध्यान खेल में जीतना है। आप भी आईपीएल मैच का ज्यादा से ज्यादा आनंद लें। शुक्रिया। पंजाब किंग्स की मालिक प्रीति जिंटा के फिल्मी वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

बेटी के बर्थडे पर काजोल ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड इंडस्ट्री के स्टार किड्स में अजय देवगन और काजोल की बेटी नीसा देवगन का नाम भी काफी पॉपुलर है। अक्सर नीसा को लेकर कोई न कोई खबर सामने आती रहती है। ऐसे में अब जब आज यानी 20 अप्रैल को उनका का बर्थडे है, तो उस पर चर्चा होनी तो बनती है। बेटी नीसा देवगन के जन्मदिन के मौके पर भला उनकी मां और दिग्गज एक्ट्रेस कालोज की तरफ से कोई प्रतिक्रिया कैसे सामने नहीं आती। लाड़ली के बर्थडे पर कालोज ने सोशल मीडिया पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है और नीसा को जन्मदिन की बधाई दी है। बेटी नीसा देवगन के जन्मदिन के खास मौके पर काजोल ने बधाई के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम हैंडल का सहारा लिया है। कालोज ने अपने ऑफिशियल इंस्टा हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों के साथ नीसा को बर्थडे विश किया है। इस दौरान उन्होंने कैप्शन में लिखा- मेरी डार्लिंग आपको 21वां जन्मदिन मुबारक हो। तुम हमेशा खुश रहो और इसी हंसी के साथ हंसती रहो। ये जान लो कि तुम्हें हमेशा-हमेशा प्यार किया जाता है। मेरा चांद जैसा बच्चा, वैसे लास्ट फोटो कुछ ऐसी है, जैसे

बोलीं- तुम हमेशा खुश रहो और इसी हंसी के साथ हंसती रहो

में तुमको ज्यादातर दिनों में देखती हैं। इस तरह से काजोल ने नीसा देवगन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के साथ-साथ बेटी पर जमकर प्यार लुटाया है। आलम ये है कि काजोल के इस पोस्ट तमाम फैंस नीस को बर्थडे विश कर रहे हैं। सारा अली खान, सुहाना खान और अनन्या पांडे जैसे स्टार किड्स के बाद हर किसी को अजय देवगन की बेटी नीसा देवगन के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार है।

अजब-गजब | न टिककर नौकरी करती है, न 8 घंटे की ड्यूटी

फिर भी साल के 80 लाख कमा रही है लड़की!

अपनी जिंदगी को अच्छी तरह से जीने के लिए और परिवार चलाने के लिए नौकरी तो सभी करते हैं लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें वो नौकरी मिल जाती है, जिसमें उनकी दिलचस्पी हो। ऐसी ही एक लड़की है, जो अपनी मर्ज़ी के मुताबिक नौकरी करती है। उसे ऐसे काम में संतुष्टि भी मिलती है और पैसे भी। सोचिए, इससे अच्छा भला क्या हो सकता है? न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के हॉस्टन की रहने वाली ग्रेस रयू नाम की लड़की ऐसी नौकरी करती है, जो उसकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करे। उसकी दिलचस्पी के मुताबिक ही वो नौकरी करती है और इससे जबरदस्त कमाई कर रही है। उसका कहना है कि वो अपनी जिंदगी में कभी भी 9 से 5 की नौकरी नहीं करनी चाहिए। 23 साल की एक कॉलेज स्टूडेंट ग्रेस रयू ने ऐसा तरीका ढूंढ निकाला है कि वो साल के 96,000 यानि 80 लाख 15 हजार रुपये से भी ज्यादा रुपये कमा लेती है। इसके लिए उसे कहीं भी टिककर नौकरी करने की जरूरत नहीं है। ग्रेस बताती है कि ये मजेदार होता है कि आप जहां जब मन करे, नौकरी करने लगें। वो हॉस्पिटैलिटी से लेकर टेक्नोलॉजी और सेल्स तक की नौकरी कर लेती है। उसने यूं तो टेक्सस की एक यूनिवर्सिटी से रिक्रिएशन, पार्क और टूरिज़्म साइंस की पढ़ाई की है लेकिन साथ-साथ नौकरी भी करती रही है। उसने न्यूयॉर्क में कुछ महीने तक लिव इन नैनी की नौकरी की। दो महीने बाद वो टेक्सस वापस आ गई और पार्ट टाइम नैनी की नौकरी करने लगी। इसके अलावा उसने टेक सेल्स और अकाउंट मैनेजर के तौर पर भी नौकरी की। डॉगवॉकर भी बनी, क्रिएटर, टिकटॉक पार्टनर एनफ्लुएंसर, मार्केटर जैसी कई फ्रीलांस नौकरियां करने के बाद वो अपने माता-पिता के घर में रहने कोरिया चली गई। उसके पास घर है, जिसे वो किराये पर भी देती है। वो अब इस पैसे को इंवेस्ट करती है और घूमती-फिरती है। ग्रेस का कहना है कि वो कभी भी नौकरी नहीं करना चाहती और इसी तरह जीना चाहती है।

चीन का अनोखा मंदिर जहां जाने के बाद छिन जाती है पैरों की सारी ताकत!

जब से हमारी ज़िंदगी में इंटरनेट और सोशल मीडिया आया है, तब से शायद ही कोई ऐसी चीज़ हो, जिसे आपने नहीं जानते हों। दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद कुछ अजीब सी चीज़ को इंटरनेट पर वायरल होने में थोड़ा ही वक्त लगता है। इस वक्त एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें लोग मंदिर से लौटने के बाद लगभग रो रहे हैं। ये वीडियो पड़ोसी देश चीन का है। यहां एक ऐसा मंदिर है, जहां लोग जाते तो हैं, लेकिन वहां से लौटने के बाद उन्हें खूब पछतावा होता है। इसी से जुड़ा हुआ एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें लोग पहाड़ों पर चढ़कर वापस लौटने के बाद सीधे खड़े होने की हालत में भी नहीं हैं। चलिए जानते हैं इसके पीछे की वजह। चीन में मौजूद 'माउंट ताईशान'नाम की जगह पर एक मंदिर है। यहां पहुंचने के लिए लोगों को 6600 से अधिक सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। यहां चढ़ने-उतरने के बाद इंसान की हालत ऐसी हो जाती है कि उन्हें लगता है कि शरीर से उनका पैर ही गायब हो चुका है। उनके घुटने बुरी तरह कांप रहे होते हैं और उनकी हालत रोने जैसी हो जाती है। फिलहाल इस मंदिर से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें खुद लोगों को जूझते हुए देख सकते हैं। कोई सीढ़ियों की रेलिंग पकड़कर उतर रहा है तो कोई डंडा पकड़कर चल रहा है। कुछ लोग तो गए अपने पैरों पर थे, लेकिन उतर स्ट्रेचर से रहे हैं। इस वीडियो को एक्स पर @TheFigen नाम के अकाउंट द्वारा शेयर किया गया है। जिसे खबर लिखे जाने तक 2.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा और पसंद किया है। लोगों ने इस पर कमेंट करके अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने लिखा- इस जगह जाने की हिम्मत कौन कर सकता है? वहीं कुछ यूजर्स ने लिखा स्वस्थ आदमी भी यहां पहुंचने से पहले सौ बार सोचेगा।

केंद्र सरकार की साजिश से हम नहीं डरते : ममता

बोलीं सीएम, मुझे व अभिषेक को निशाना बना रही भाजपा, हम सुरक्षित नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुमारगंज (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन्हें और उनके भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को निशाना बना रही है तथा वे दोनों सुरक्षित नहीं हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक दिन पहले कहा था कि सोमवार को एक बड़ा धमाका होगा, जो तृणमूल और उसके शीर्ष नेतृत्व को हिला कर रख देगा, जिसके बाद ममता ने यह आरोप लगाया है।

बलूरघाट लोकसभा क्षेत्र के कुमारगंज में पार्टी उम्मीदवार और राज्य में मंत्री बिप्लब मित्रा के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, भाजपा मुझे और अभिषेक को निशाना बना रही है। हम सुरक्षित नहीं हैं लेकिन हम केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी की साजिश से भी नहीं डरते हैं। हम तृणमूल नेताओं और पश्चिम बंगाल के लोगों के खिलाफ साजिश के प्रति सावधान रहने का हर किसी से आग्रह करते हैं।

बंगाल की मंत्री ने अमित मालवीय के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय के एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सूत्र ने रविवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। पीटीआई इस पोस्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं कर पाई है। मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए भट्टाचार्य ने शनिवार को कोलकाता के गरियाहाट थाने में दायर शिकायत में कहा कि मालवीय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बारे में एक अपमानजनक पोस्ट साझा किया है।

धर्म आधारित वोट बैंक की राजनीति कर रहे मोदी

ममता ने भाजपा पर धर्म आधारित वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया और सवाल किया, दूरदर्शन का लोगो अचानक भगवा क्यो हो गया? सेना के जवानो के आधिकारिक आवास को भगवा रंग से क्यो रंगा गया? काशी (विश्वनाथ मंदिर) मे पुलिस की वर्दी भगवा रंग की क्यो कर दी गई? उन्होने कहा, हम फैसले (दूरदर्शन के लोगो का रंग बदलने) का कहा विरोध करते है...यह भाजपा के निरंकुश शासन का एक और उदाहरण है। यदि वह सत्ता मे बनी रहती है तो भविष्य मे कभी चुनाव नही होगे। एक व्यक्ति, एक पार्टी का शासन होगा और विभिन्न समुदायो के धार्मिक अधिकार खतरे मे पड़ जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के लोकसभा क्षेत्र बलूरघाट मे दूसरी जनसभा मे ममता ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र पर केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर है। उन्होने कहा वह केवल अपना प्रचार और बड़े-बड़े दावे करने मे यकीन रखते है।

बंगाल में अराजकता फैली हुई है: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में अराजकता फैली हुई है। राज्य में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखालि जैसी घटनाएं हो रही हैं। राजनाथ ने यहां मुर्शिदाबाद लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार गौरी शंकर घोष के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में अराजकता फैली हुई है। उन्होंने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं पर अत्याचार के आरोपों को लेकर दुनिया भर के लोग शर्मिंदा हैं। तृणमूल कांग्रेस के कुछ स्थानीय नेताओं पर राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के साथ-साथ आदिवासियों सहित ग्रामीणों की जमीन हड़पने के आरोप लगे हैं।

लखीमपुर में ग्रामीणों को भेजे जा रहे अवैध नोटिस

» वरिष्ठ अधिवक्ता हैदर ने बड़े अधिकारियों को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनपद लखीमपुर खीरी की निघासन तहसील में सीएम योगी के अधिकारियों की काली करतूत सामने आई है। वहां के अधिकारियों के द्वारा शासकीय नीतियों के विपरीत एकपक्षीय एवं अवैध कार्यवाही की गई । यही नहीं उक्त कार्यवाही के सापेक्ष जारी नोटिसों में एक भ्रामक वाद संख्या इंगित कर ग्रामीणों का शोषण भी किया गया। इस मामले की शिकायत राजस्व परिषद के अध्यक्ष, प्रमुख सचिव आईटी व इलेक्ट्रानिक्स विभाग, मंडलायुक्त लखनऊ व डीएम लखीमपुर जैसे बड़े अधिकारियों से की गई है।

यह शिकायत वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजिक मुद्दों पर मुखर रहने वाले वकील सैयद मोहम्द हैदर रिजवी ने की है। उन्होंने बताया कि आगामी लोक सभा चुनावों के पूर्व उक्त तहसील के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अधिकांश नागरिकों के विरुद्ध की ग्राम प्रधानों ने अधिकारियों द्वारा एकतरफा कार्यवाही की जा रही है। इन लोगों को उनके द्वारा चुनाव में प्रतिभाग करने से रोकने का प्रयास किया जा रही है। इसकी तहत उनके विरुद्ध दंड प्रक्रिया की धारा 107/116 के अंतर्गत

एकपक्षीय कार्यवाही कर दी एवं उससे कोई भी विपक्षी न पा कर विधि विपरीत सरकार को विपक्षी बना दिया जबकि वास्तव में किसी भी पक्षकार के मध्य कोई मतभेद नही था। इस प्रक्रिया में यांत्रिक रूप से सैकड़ों व्यक्तियों के गौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए उनसे बंधपत्र गांग लिए।. पूरे प्रकरण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि तहसील प्रशासन के द्वारा उपजिलाधिकारी निघासन के हस्ताक्षरों से जो नोटिस निर्गत किये जा रहे है। उनमें जो वाद संख्या उल्लिखित है जिसमें कम्प्यूटर याद संख्या भी उल्लिखित है। यह भ्रामक एवं झूठी याद संख्या है (उदाहरण के रूप में उक्त 2 नोटिसों पर पड़ी कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या टी 200410430) एवं उक्त सम्बन्ध में कोई भी ऑनलाइन सूचना उपलब्ध नहीं है एवं उक्त बाद का कंप्यूटर नंबर जो कि अपूर्ण है। ऑनलाइन वाद संख्या की जानकारी करने हेतु कंप्यूटरीकृत वाद संख्या से खोजे वाला यूआरएल/विकल्प खोल कर उक्त यूआरल पर प्राविधानित स्थान पर डालने पर जाच करने पर डालने पर त्रुटि हुई मैसेज आता है।

भाजपा जनता को बताए घाटी में किस पार्टी को कर रहे समर्थन : अब्दुल्ला

पीडीपी पर बरसे- भाजपा को फायदा पहुंचाने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भाजपा और पीडीपी पर निशाना साधा। उमर ने कहा कि भाजपा ने कश्मीर घाटी की तीन सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारे हैं, तो ऐसे में उन्हें जनता को बताना चाहिए कि भाजपा घाटी में किसे समर्थन कर रही है। साथ ही उमर ने पीडीपी पर भी निशाना साधा और उसे चुनाव लड़ने पर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया।

उन्होंने रविवार को अनंतनाग जिले के बिजबेहड़ा में रैली को संबोधित किया। क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद भी पीडीपी और नेकां विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल हुए, लेकिन सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई। ऐसे में घाटी में दोनों पार्टियों ने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। उधर, भाजपा ने घाटी में उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। उमर अब्दुल्ला ने बिना नाम लिए कहा, इंडिया गठबंधन भाजपा के विरोध में खड़ा है और इंडिया गठबंधन यहां इस मंच पर है। जो लोग इस मंच पर नहीं हैं वे भाजपा को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेकां पर स्वार्थी होने का आरोप लगाया जा रहा है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती हर दिन अपने भाषण में यह कह रहीं हैं कि नेकां स्वार्थी तरीके से काम कर रही है, तो क्या कांग्रेस भी स्वार्थी है।

बेरोजगारी को खत्म करना है डीपीएपी का एजेंडा : गुलाम नबी

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा कि उनका एजेंडा विकास, स्कूल-कॉलेज का निर्माण और बेरोजगारी को खत्म करना है। उनकी पार्टी का एजेंडा मतभेद कम करना है। अनंतनाग-राजोरी सीट के लिए अपनी पार्टी के प्रत्याशी एडवोकेट सलीम परे के समर्थन में रैली के दौरान उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हम यहां विकास के लिए हैं और हम चाहते हैं कि लोगों को बिना किसी परेशानी के आसानी से अपनी आजीविका मिल सके।

कांग्रेस को नेकां के साथ गठबंधन पर करना चाहिए पुनर्विचार : महबूबा

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कांग्रेस को जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) का समर्थन करने के फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। प्रदेश में नेकां और कांग्रेस एक साथ चुनाव लड़ने की घोषणा की है। महबूबा भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहीं, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर वह अलग-थलग पड़ गई। महबूबा ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस के नेता चौधरी मोहम्मद अकरम ने कांग्रेस की तुलना भाजपा से की है। ऐसे में देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं को जम्मू की सबसे पुरानी क्षेत्रीय पार्टी को समर्थन देने के बारे में सोचना चाहिए। मुफ्ती ने अनंतनाग जिले के लारनू इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान कहा, नेशनल कांफ्रेंस में शामिल होते समय चौधरी अकरम ने कांग्रेस की तुलना भाजपा से करने से बुरा कुछ नहीं कहा होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है।

जीत के करीब पहुंचकर हारी आरसीबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को केकेआर के हाथों एक रन से हार का मुंह देखना पड़ा। करन शर्मा मैच के आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाने के बावजूद टीम की नैया को पार नहीं लगा सके। आईपीएल 2024 में यह आरसीबी की सातवीं हार है। इसके साथ ही टीम के लिए आगे की राह भी मुश्किल हो चली है। आइए आपको बताते हैं क्या है आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने के चांस और कैसे मिल सकता है टीम को अंतिम चार का टिकट।

आरसीबी ने इस सीजन अब तक 8 मैच खेले हैं और टीम के हाथ सिर्फ एक जीत लगी है। यानी सात मैचों में टीम ने हार का मुंह देखा है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अब अपने बचे हुए सभी छह मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। सिर्फ जीत नहीं, बल्कि फाफ डू प्लेसी की सेना को बड़े अंतर से इन छह मुकाबले में मैदान मारना होगा।

प्लेऑफ की राह मुश्किल

धमाकेदार जीत से भी आरसीबी का काम नहीं बनेगा और बाकी टीमों का प्रदर्शन भी अब बेंगलुरु के लिए मायने रखेगा। कहने का मतलब यह है कि लगातार छह बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद आरसीबी को प्लेऑफ का टिकट नहीं मिलेगा। दमदार प्रदर्शन करने के साथ-साथ अब टीम को किस्मत का साथ भी चाहिए होगा। ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने आरसीबी को एक रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 222 रन लगाए। इसके जवाब में आरसीबी की पूरी टीम 221 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

साई -तेवतिया ने गुजरात को दिलाई जीत

37वें मैच में गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया। पंजाब से मिले 143 रन के लक्ष्य को गुजरात ने 7 विकेट खोकर 19.1 ओवर में हासिल किया। टीम की ओर से राहुल तेवतिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंदों पर 32 रन जड़े। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने 35 रन का योगदान दिया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स की पूरी टीम 142 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की तरफ से प्रभसिमरन सिंह ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि अंतिम ओवरों में हरप्रीत बर्रार ने 29 रन जड़े। गेंदबाजी में गुजरात की ओर से साई किशोर ने चार विकेट झटके। गुजरात की यह चौथी जीत है, तो पंजाब को छठी हार का मुंह देखना पड़ा है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया है। राहुल तेवतिया ने शानदार बल्लेबाजी की और वह 17 गेंदों पर 32 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात ने 143 रन के लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल किया।

योगी कैबिनेट के मंत्री संजय निषाद पर हमला

नाक पर लगी चोट, चल रहा उपचार

शादी में शिरकत करने संत कबीर नगर पहुंचे थे निषाद पार्टी प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी प्रमुख डॉ. संजय निषाद आपसी झड़प में चोटिल हो गए है। उनकी नाक पर चोट लगी है। उनके साथ धक्का-मुक्की हुई है, जिसमें वो चोटिल हुए है। चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल में उनका प्राथमिक उपचार करवाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक मंत्री संजय निषाद एक शादी में शिरकत करने यहां पहुंचे थे। इसी दौरान यह घटना हुई है। घटना के बाद उनके दोनों बेटे धरने पर बैठ गए है। दोनों का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। जानकारी के मुताबिक संत कबीर नगर के शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदनपुर कठार गांव में दो पक्षों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें मंत्री संजय निषाद को चोट लगी है। अब हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग हो रही है।

दोनों बेटे धरने पर बैठे

उत्तर प्रदेश के मंत्री डॉक्टर संजय निषाद के बेटे और विधायक प्रवीण निषाद इस घटना के बाद विरोध के तौर पर धरने पर बैठे हैं। उनके साथ पार्टी के विधायक भी धरने पर बैठे हुए हैं और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सपा के कार्यकर्ता बौखलाए : रालोद

इस घटना पर आरएलडी की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। आरएलडी के रोहित अग्रवाल का कहना है कि चुनाव में हार को देखकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बौखला गए हैं। यही कारण है कि संत कबीर नगर में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर हमला किया गया है। समाजवादी पार्टी के समर्थकों किए हरकत दुखद और घृणायोग्य है।

दो पक्षों में हुई थी झड़प

जानकारी के मुताबिक संसाधन प्रवीण निषाद और पाठ के विधायक जिला अस्पताल पहुंचकर मांग कर रहे है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जानकारी के मुताबिक प्रवीण निषाद पर टिप्पणी करने के कारण दो पक्ष में झड़प हुई थी। गौरतलब है कि मंत्री डॉ. संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद भाजपा की ओर से संत कबीर नगर से लोकसभा प्रत्याशी है। वर्तमान में भी वो इस सीट से सांसद है।

ईडी और तिहाड़ प्रशासन कोर्ट को गुमराह कर रहा : आतिशी

» सीएम केजरीवाल के अपने डॉक्टर के साथ वीडियो कंसल्टेशन की अपील के विरोध पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि ईडी और तिहाड़ प्रशासन कोर्ट को गुमराह कर रहा है, इसका षड्यंत्र किया जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल अपने डॉक्टर से कंसल्ट न कर सकें और उन्हें इन्सुलिन न दिया जा सके। ज्ञात हो कि अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल में इंसुलिन लेने को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। तिहाड़ जेल की रिपोर्ट के आधार पर अधिकारियों ने कहा था केजरीवाल ने पिछले कुछ महीने से इंसुलिन का इंजेक्शन लगवाना बंद कर दिया था और अपनी गिरफ्तराकी के समय वह मेटफॉर्मिन नाम की एक साधारण मधुमेह रोधी गोली का सेवन कर रहे थे।

केजरीवाल तेलंगाना के एक निजी चिकित्सक से मधुमेह का उपचार करा रहे हैं। इस पर आतिशी ने सोमवार को अपनी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, अरविंद केजरीवाल ने अपने डायबिटीज़ स्पेशलिस्ट डॉक्टर के साथ वीडियो कंसल्टेशन की अपील की थी लेकिन इसका ईडी और तिहाड़ प्रशासन ने विरोध किया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भी कहा कि हम अरविंद केजरीवाल की उनके डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा, ये कहा गया कि एम्स के डॉक्टर से कंसल्ट कराएंगे, लेकिन ईडी और तिहाड़ प्रशासन ने जब एम्स के डॉक्टर का पक्ष रखा तब तक उन्होंने एम्स के किसी डॉक्टर से अरविंद केजरीवाल की बात नहीं कराई थी। दो दिन पहले तक उन्होंने एम्स में डॉक्टर की रिक्वेस्ट भी नहीं की थी। आतिशी ने कहा, कोर्ट में उनकी तरफ से कहा गया कि एम्स के डॉक्टर्स ने डाइट चार्ट बनाया है और इसके आधार पर उन्होंने अरविंद केजरीवाल के इन्सुलिन का विरोध किया है। लेकिन यह डाइट चार्ट डायबिटीज़ डिपार्टमेंट से नहीं बल्कि साधारण न्यूट्रीशियन से बनवाया गया है, उस डाइट चार्ट पर साइन करने वाली डॉक्टर एम्स की डायटीशियन हैं।

श्रीनगर में नौ जगहों पर एनआईए का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने छापा मारा है। यहां नौ अलग-अलग जगहों पर एजेंसी की टीमें दल-बल के साथ पहुंचीं। सभी जगहों पर कार्रवाई चल रही है।

बताया जा रहा है कि आतंक संबंधी मामले में जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले रविवार को सुरक्षाबलों ने राजोरी के थन्ना मंडी इलाके में एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर एक से आधा किलो की आठ इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद कर एक बड़ी साजिश को टाल दिया है।

वलसाड एक्सप्रेस में हादसा, कांस्टेबल की मौत

» आग बुझाने के दौरान अग्निशमन सिलेंडर फटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर वलसाड एक्सप्रेस की एक बोगी में ब्लास्ट होने से एक आरपीएफ जवान की मौत हो गई। बोगी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी। आरपीएफी की टीम आग पर काबू पाने में जुट गई। उसी वक्त कांस्टेबल विनोद कुमार छोटा फायर सिलेंडर (फायर एक्सटिंग्विशर) लेकर आग बुझाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान फायर सिलेंडर ब्लास्ट कर गया।

हादसा इतना भीषण था कि विनोद कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। रेलवे की पूरी ने विनोद कुमार को अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि वलसाड एक्सप्रेस सोमवार की सुबह साढ़े छह बजे मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर आई थी।

कुछ देर बाद ट्रेन की एस-आठ बोगी के शौचालय में आग लपटें निकलने लगीं। आग की सूचना रेलवे और आरपीएफ की टीम यहां पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आरपीएफ जवान विनोद कुमार भी आग पर काबू पाने के लिए पहुंचे। उन्होंने फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाने की कोशिश पाने लगे। एक फायर सिलेंडर खत्म हो गया लेकिन आग की लपटें कम नहीं हुई। इसी बीच उन्होंने दूसरे फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। सिलेंडर का लॉक जैसे ही खोला वैसे ही सिलेंडर ब्लास्ट कर दिया। इसमें विनोद कुमार की मौत हो गई।

आरा के रहने वाले थे विनोद कुमार

आरपीएफ ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। आरपीएफ के अनुसार, कांस्टेबल विनोद कुमार आरा नगर क्षेत्र के रहने वाले थे। दो साल से मुजफ्फरपुर आरपीएफ पोस्ट में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। टीम ने उनके परिवार को सूचना दे दी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिथौरागढ़ में जीप खाई में गिरी चार लोगों की मौत, चार घायल

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय के चमाली रोड में सोमवार तड़के एक जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई है जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही जिला मुख्यालय से पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को खाई से निकालकर ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों का उपचार चल रहा है। हादसे में मृतकों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृतक में पवन कुमार (37) पुत्र जगत राम निवासी डूंगरी रावल पिथौरागढ़, अंगद कुमार उम्र (30) पुत्र जगत राम निवासी डूंगरी रावल पिथौरागढ़,कैलाश राम उम्र (42) पुत्र शोबन राम निवासी डूंगरी रावल पिथौरागढ़, अजय कुमार उम्र (31) पुत्र होशियार राम निवासी डूंगरी रावल पिथौरागढ़ शामिल हैं।

नीतीश की हर बात मेरे लिए आशीर्वचन : तेजस्वी

» लालू यादव पर सीएम की टिप्पणी के बाद तेजस्वी का भावुक कर देने वाला संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लालू यादव पर टिप्पणी करने के बाद सियासत गरमा गई है। तेजस्वी यादव और तमाम विपक्षी दलों ने नीतीश कुमार पर हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने तो यह तक कह दिया कि ऐसी बातें घर में व्यक्तिगत रूप से शोभा देती हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए नेताओं को रोजगारी महंगाई विकास-निवेश जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए।

नीतीश कुमार उनके लिए आदरणीय हैं। वे हमें कुछ भी कह सकते हैं। पहले भी ऐसी बात कहते रहे हैं। उनकी हर बात हमारे लिए आशीर्वचन एवं आशीर्वाद है। तेजस्वी ने कटिहार की जनसभा में लालू प्रसाद पर नीतीश कुमार द्वारा की गई टिप्पणी पर ये बातें कहीं। पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से तेजस्वी ने कहा कि वैसे ये सब बातें कोई चुनावी मुद्दा नहीं हैं। हमारे ऊपर व्यक्तिगत बात करने से या हमारे द्वारा विपक्ष पर व्यक्तिगत आरोप लगाने, बात करने से जनता का क्या भला होगा? हम राजनीति और लोकतंत्र में लोक की बातें करते हैं, ना कि स्वयं की।

व्यक्तिगत चीजें केवल घर के ड्राइंग रूम तक होनी चाहिए

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत चीजें केवल घर के ड्राइंग रूम तक होनी चाहिए। वर्षो से सत्ता पर काबिज एनडीए के नेता गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, विकास-निवेश जैसे मुद्दों का जिक्र राजनीतिक मंचों से क्यों नहीं करते। दरअसल ये मुद्दों से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब स्थिति यह है कि चार-पांच लोगों ने हमारे चाचा (नीतीश कुमार) को हाईजैक कर लिया है। समय आने पर मैं एक किताब लिखूंगा और इन सभी चीजों को समझाऊंगा।

वीआइपी नेता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख जताया विरोध

नीतीश कुमार द्वारा लालू परिवार पर दिए गए बयान की विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) ने निंदा की है। वीआइवी प्रवक्ता देवज्योति ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर अपना विरोध जताया है। देवज्योति ने लिखा कि मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बीच आप स्वस्थ होंगे। आप स्वस्थ रहें, यही कामना है। लेकिन, इतने ऊंचे पद पर होने के बाद भी आपके बयानों से एक बिहारी होने के नाते कष्ट होता है। बिहार के लोगों को लज्जित होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक शुभचिंतक होने के नाते आग्रह है कि वे ऐसे बयानों से बचें। ताकि, लोग उनका आदर और अनुसरण कर सकें।

पीएम ने देश में गरीबी और महंगाई बढ़ाई

रांची रैली में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी ने केवल ये काम किए हैं- देश में गरीबी बढ़ाई, महंगाई बढ़ाई, जुमलेबाजी की। 2014 में उन्होंने कहा था कि हर साल 2 करोड़ लोगों को नौकरी दी जाएगी, वो नौकरी कहां गई? कालाधन वापस आएगा और सभी के खाते में 15 लाख रुपए डाले जाएंगे। आप लोग के खाते में पैसा नहीं आया, लेकिन बीजेपी के खाते में चंदा चुनावी बॉन्ड के जरिए हजारों- करोड़ों रुपए आ गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।